

ट्रंप ने हमास को गंभीर चेतावनी देकर गाज़ा के पीस प्लान को सार्वजनिक किया

प्लान के अनुसार, यदि हमास ने पीस प्लान को नहीं स्वीकार किया तो इज़रायल को पूर्ण छूट दी जायेगी, नेस्तनाबूद करने के लिए और अमेरिका पूरा सहयोग करेगा

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 30 सितम्बर। डॉनल्ड ट्रंप ने हमास को कड़ी धमकी देते हुए गाज़ा में शांति योजना घोषित की। उन्होंने हमास को चेतावनी दी है कि यदि उसने इस प्रस्ताव को ठुकराया, तो उसके लिए विनाशकारी परिणाम होंगे और "हमास नर्क में इसकी कीमत चुकाएगा।" ट्रंप की यह योजना हमास के लिए एक तरह से "या आत्मसमर्पण करो या पूरी तरह मिट जाओ" की ऐसी पूर्वनिर्मित स्थिति है, जिसे अब बदला नहीं जा सकता है।

ट्रंप का कहना है कि यदि हमास इस प्रस्ताव को अस्वीकार करता है, तो यह उसका दुखद अंत होगा। ट्रंप की गाज़ा शांति योजना के तहत हमास को पहले चरण में पूरी तरह आत्मसमर्पण करना होगा, और सभी बंधकों को रिहा करना होगा, जो वर्तमान में उसकी कैद में हैं। इन दोनों शर्तों का मतलब है कि हमास का एक संगठन के रूप में अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। ट्रंप ने यह भी धमकी दी है कि अगर हमास आत्मसमर्पण नहीं करता और

- प्लान दो पार्ट में है, पहला, हमास के आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करना होगा, दूसरा सभी बंधकों को छोड़ना होगा।
- मजे की बात है कि इस पीस प्लान को खाड़ी देशों का समर्थन मिला है, वे हमास को आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित कर रहे हैं, क्योंकि उनका मानना ​​है कि हमास की आतंकवादी गतिविधियों का खामियाजा मुस्लिम देशों को उठाना पड़ रहा है।
- गत सात अक्टूबर को जब से हमास ने इज़रायल पर आक्रमण कर निहत्थे लोग बंधक बनाये हैं, तब से जवाबी आक्रमणों में गाज़ा के 66,000 लोग मारे जा चुके हैं।
- इस पीस प्लान को ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर का भी पूर्ण समर्थन प्राप्त है। ट्रंप ने अपने प्रथम शासनकाल में सार्वजनिक किया था कि वे गाज़ा को समुद्रतटीय पर्यटन स्थल बनाना चाहते हैं।

योजना को स्वीकार नहीं करता, तो इज़राइल उसका पूरी तरह से सफ़ाया कर देगा, और अमेरिका इस कार्रवाई में पूरा समर्थन देगा। यह तथ्याकथित "शांति योजना" असल में हमास के विरुद्ध कार्रवाई को इस स्तर तक ले जाने का वादा करती है, जिससे संगठन का समूल नाश हो जाएगा। एक तरह से, पूरे मुस्लिम विश्व ने इस योजना का समर्थन किया है और हमास से आत्मसमर्पण करने की अपील की है। पहले भी कई मध्य-पूर्वी देशों ने

हमास से अपने विरोध को समाप्त करने को कहा था, क्योंकि इस हिंसा से पूरा क्षेत्र थक चुका है। 7 अक्टूबर को हमास द्वारा इज़राइल के किबुत्ज़ पर हमला करने और निर्दोष इज़राइली नागरिकों की हत्या करने के बाद से गाज़ा में मौतों की संख्या 66,000 तक पहुँच गई है, और उससे कहीं अधिक लोग घायल या अपंग हो चुके हैं। सबसे बुरी मार बच्चों पर पड़ी है, जिन्हें भारी पीड़ा और वंचना का सामना करना पड़ा है।

इस नई शांति योजना को विस्तृत विचार-विमर्श के बाद तैयार किया गया है, और इसमें ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर भी शामिल रहे हैं। ब्लेयर, जिन्हें मध्य पूर्व मामलों पर सख्त रुख के लिए जाना जाता है, ब्रिटिश लेबर पार्टी से संबंध रखते हुए भी दक्षिणपंथी धार्मिक विचारों के समर्थक माने जाते हैं। प्रधानमंत्री पद छोड़ने के बाद से ही ब्लेयर समानांतर कूटनीति में संलग्न हैं (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

निर्माणाधीन थर्मल पावर स्टेशन का आर्च गिरा, 9 मजदूरों की मौत

चेन्नई, 30 सितंबर। चेन्नई थर्मल पावर स्टेशन (एनोर) के निर्माण स्थल पर मंगलवार को एक निर्माणाधीन इमारत ढह गई, जिसमें 9 मजदूरों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि 30 फीट की ऊंचाई का एक आर्च मजदूरों पर गिर गया। जिस वजह से कई मजदूर मलबे में दब गए। सभी मजदूर उत्तर

- ये सभी प्रवासी मजदूर बताये जाते हैं, जो उत्तर भारत के रहने वाले हैं।

भारत से हैं। घायलों को स्टैनली मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, मजदूर काम कर रहे थे कि अचानक उनके ऊपर 30 फीट ऊंचाई से आर्च गिर गया जिससे अफरातफरी मच गई और इसमें दबकर नौ मजदूरों की मौत हो गई। ये सभी प्रवासी मजदूर बताए जा रहे हैं जो उत्तर भारत के रहने वाले हैं। मलबे में (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रहने देगा और किसी अयोग्य व्यक्ति को सूची में शामिल नहीं होने देगा। तथापि, मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुँच गया। याचिकाकर्ताओं ने संशोधन (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इसके बाद यह सूची 1 सितम्बर तक मतदाताओं और राजनीतिक दलों के "दावे और आपत्तियों" के लिए खुली रही। आयोग ने कहा कि वह किसी भी योग्य नागरिक को सूची से बाहर नहीं

वरिष्ठ भाजपा नेता वी.के. मल्होत्रा का निधन

नई दिल्ली, 30 सितंबर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रोफेसर विजय कुमार मल्होत्रा का मंगलवार को दिल्ली के एम्स अस्पताल में निधन हो गया। वे 94 साल के थे।

वीके मल्होत्रा दिल्ली के पूर्व मुख्य कार्यकारी पार्षद और सांसद रह चुके हैं।

- वे दिल्ली से 5 बार सांसद और दो बार विधायक निर्वाचित हुए थे।

कुछ दिनों से वह एम्स में भर्ती थे। जहां उनका इलाज चल रहा था और आज सुबह लगभग 6 बजे उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया।

मल्होत्रा दिल्ली से 5 बार सांसद और दो बार के विधायक थे। वे 1980 (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 30 सितंबर। जेल में बंद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो ने आज पूरी दृढ़ता से अपने पति पर लगे "देशविरोधी" होने के सभी आरोपों को खारिज कर दिया। साथ ही विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 24 सितंबर को लेह में हुई हिंसा में चार नागरिकों की मौत पर न्यायिक जांच की मांग की। ऑनलाइन प्रतिक्रिया देते हुए सामाजिक उद्यमी अंगमो ने भारतीय

सेना के लिए किए गए अपने पति द्वारा किए गए कार्यों को उजागर किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, "देशविरोधी? वांगचुक भारतीय सेना के लिए थर्मल शेल्टर बनाते हैं ताकि सैनिक गर्माहट में सो सकें। झूठे नारे खत्म हो जाते हैं, लेकिन उनका राष्ट्र के लिए सेवा भाव सदा रहेगा। वांगचुक पर देशद्रोह के आरोप तब लगे जब उनका विरोध हिंसक प्रदर्शन में बदल गया। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने पूछा, "कौन देशविरोधी व्यक्ति सेना के

- वांगचुक की पत्नी ने कहा कि उनके पति ने शिक्षा के क्षेत्र में मौलिक काम किया है और उन्हें उसके लिए मैंगसेसे अवॉर्ड भी दिया गया था।
- भारत के लिए यह बड़ी शर्मनाक बात होगी कि ऐसे व्यक्ति को नैशनल सिक्योरिटी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है, जिसमें उन्हें एक साल तक बिना कारण बताए बंद रखा जा सकता है।
- वांगचुक पाकिस्तान में डॉन अखबार व यूएन के तत्वाधान में क्लाइमेट कॉन्फ्रेंस में आमंत्रित थे और गये, यह किस प्रकार देशद्रोह हो सकता है, जबकि भारतीय क्रिकेट टीम पाकिस्तान के साथ मैच खेल सकती है, जिसकी सारे देश ने सराहना की।

जनरलों और कोर कमांडरों से मिलता है और उनके सम्मान का पात्र होता है?

कौन देशविरोधी सैनिकों और अधिकारियों के लिए सोलर होम बनाता है ताकि वे गर्म रहें और प्रभावी ढंग से लड़ सकें?"

अमेरिका ने भारत में जीसीसी (ग्लोबल केपेबिलिटी सेंटर) में अपना काम शिफ्ट किया

गत सोमवार को यूएस ने एच-1बी वीज़ा की आवेदन राशि एक लाख डॉलर करने का बिल सीनेट में पेश कर दिया है

- विश्व की आधी से ज्यादा (1700) जीसीसी भारत में हैं। पूर्व में यह कंपनियाँ अमेरिकन कंपनियों को टेक्निकल सपोर्ट देती थीं, पर, अब उभरत होकर हाई एंड इनोवेशन में सक्रिय हैं, चाहे वो लग्जरी कार हो, डैश बोर्ड का डिजाइन हो या नई दवाइयों की खोज।
- कॉमिन्ज़ेंट इंडिया के राममूर्ति, डियोलाइट इंडिया के पार्टनर रोहन लोबो और ए.एस.आर. के संस्थापक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी ललित आहुजा का मानना ​​है कि हाई एंड इनोवेशन विश्व में कहीं भी किया जा सकता है। इसमें भारत को संकट तभी आ सकता है, जब जीसीसी मॉडल पर अमेरिका एचआईआरई टैक्स लगा दे।
- 283 बिलियन डॉलर की भारतीय आईटी इंडस्ट्री को झटका तो जरूर लगा है, वीज़ा राशि की अनाप-शनाप वृद्धि से, पर धक्के में कुछ मुलायमियत जीसीसी मॉडल की लोकप्रियता से आ गई है।

रहे हैं, और भारत के जी.सी.सी. ऐसे मजबूत केंद्र बनकर उभरे हैं जो वैश्विक कौशल को स्थानीय नेटवर्क के साथ जोड़ते हैं। डेलॉयट इंडिया में पार्टनर और जी.सी.सी. उद्योग प्रमुख रोहन लोबो ने कहा, "इस समय के लिए जी.सी.सी. विशिष्ट रूप से उपयुक्त है, जो एक तैयार इन-हाउस इंजन की तरह काम करते हैं।" उन्होंने बताया कि कई अमेरिकी कंपनियां अपनी कार्यबल जरूरतों का पुनर्मूल्यांकन कर रही हैं। उन्होंने कहा, "ऐसे बदलाव की

योजनाएं पहले से ही बनाई जा रही हैं।" उन्होंने वित्तीय सेवाओं व तकनीक जैसे क्षेत्रों में बढ़ती गतिविधि की ओर इशारा किया, खासतौर पर उन कंपनियों में जो अमेरिकी सरकारी ठेकों से जुड़ी हैं। लोबो का कहना है कि आने वाले समय में जी.सी.सी. ज्यादा रणनीतिक और नवाचार आधारित जिम्मेदारियां संभालेंगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने इस महीने नए एच-1बी वीज़ा आवेदन की फीस को मौजूदा 2,000 से 5,000 डॉलर (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीजेआई गवर्न की माँ कमलाताई ने संघ के विजयदशमी आमंत्रण को ठुकराया

कमलाताई को संघ ने अमरावती शाखा में आयोजित विजयदशमी कार्यक्रम में बतौर चीफ गैस्ट आमंत्रित किया गया था

- सीजेआई की माँ ने एक पत्र लिखकर कहा कि मैं पक्की अंबेडकरवादी हूँ तथा संविधान में विश्वास करती हूँ। विजयदशमी हिंदू संस्कृति में महत्वपूर्ण है, पर, हम बौद्ध हैं, हमारे लिए यह धम्म चक्र प्रवर्तन दिन है, जिसे अशोक विजयदशमी भी कहते हैं।
- गत कुछ दिनों से चर्चा थी कि कमलाताई ने संघ का निमंत्रण स्वीकार कर लिया, पर, कमलाताई ने इन खबरों को भ्रामक करार दिया।
- सीजेआई गवर्न के छोटे भाई, डॉक्टर राजेन्द्र गवई, जो राजनेता भी हैं, ने कहा कि उनकी माँ ने निमंत्रण स्वीकार किया था, उन्होंने अपनी माँ के पत्र की प्रमाणिकता पर भी सवाल उठाए।

हस्तलिखित पत्र में कहा गया है कि वह एक कट्टर अंबेडकरवादी हैं और उन्होंने स्पष्ट किया कि वह 5 अक्टूबर को महाराष्ट्र के अमरावती में होने वाले

कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगी। उन्होंने लिखा, "मैंने कोई निमंत्रण स्वीकार नहीं किया है और न ही किसी तरह की लिखित स्वीकृति दी है। मैं

अमरावती में आरएसएस के विजयदशमी कार्यक्रम में उपस्थित नहीं रहूंगी। मेरा परिवार अंबेडकरवादी विचारधारा और भारत के संविधान के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित है। मुझे इस प्रकार के किसी कार्यक्रम से जोड़ना भ्रामक और असत्य है।" आरएसएस की अमरावती महानगर इकाई ने कमलाताई को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया था, जो कि किर्ण नगर स्थित श्रीमती नारसम्मा महाविद्यालय मैदान में आयोजित होने जा रहा है। कई टीवी चैनलों ने रिपोर्ट दी थी कि उन्होंने कार्यक्रम में शामिल होने की सहमति दी है। दशहरे के दिन आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत स्वयंसेवकों को संबोधित करेंगे, जो एक वार्षिक कार्यक्रम है। कमलाताई के पत्र में कहा (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रधानमंत्री संघ शताब्दी समारोह के मुख्य अतिथि होंगे

नयी दिल्ली, 30 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के बुधवार को डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में आयोजित होने वाले शताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग

- वे आरएसएस पर विशेष स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी करेंगे।

लेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने मंगलवार को बताया कि इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी, राष्ट्र के प्रति आरएसएस के योगदान पर विशेष रूप से डिजाइन किया गया एक स्मारक डाक टिकट तथा सिक्का जारी करेंगे और उपस्थित जनसमूह को संबोधित भी करेंगे। डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा (शेष अंतिम पृष्ठ पर)